हरिभूमि

जशपुर-रायगढ़ भूमि

बिलासपुर, मंगलवार, 14 अक्टूबर 2025

[पत्थलगांव | कुनकुरी | बगीचा | फरसाबहार | कांसाबेल | दुलदुला | मनोरा]

तापमान

अधिकतम 26.2 डिग्री

न्यूनतम 16.2 डिग्री

बालिका दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने लगाया शिविर

4

खबर संक्षेप

अपर कलेक्टर साहू ने सुनी आम जनता की समस्याएं

जशपुरनगर। अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनदर्शन में आम नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों का गंभीरता से अवलोकन किया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को इनका समयबद्ध एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक आवेदक को उनके आवेदन पर की गई कार्यवाही की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए। जनदर्शन के दौरान आज लगभग 32 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें मुख्य रूप से राजस्व प्रकरण, साफ-सफाई, अधोसंरचना निर्माण, आजीविका संबंधी और विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने संबंधित आवेदन शामिल थे।

घर के परछी से बाइक चोरी,अपराध दर्ज

अम्बिकापुर। रामानुजनगर थाना अंतर्गत ग्राम मांजा परसापारा निवासी सुरेश कुमार साहू आ. राम स्वरूप साहू (28 वर्ष) गत दिन अपने पुराने घर परसापारा बाइक क्रमांक सीजी 29 एजी 6335 से गया था। रात में भोजन करने के पश्चात बाइक को सुरेश भारती के घर के परछी में खड़ा कर सोने चला गया। सुबह उठा और बाइक लेने गया तो देखा बाइक अपनी जगह से गायब थी। काफी खोजबीन के बाद जब बाइक का कहीं पता नहीं चला तो घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात के विरूद्ध धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

मायके नहीं जाने देने पर महिला ने पी जहर, मौत

अम्बिकापुर। प्रतापपुर थाना अंतर्गत ग्राम कंनकनगर निवासी चारो कवर पति छोटेलाल कवर (22 वर्ष) 9 अक्टूबर को पति छोटे लाल से मायके महेशपुर जाने की बात कही। जिस पर पति ने जाने से मना कर गांव में घूमने चला गया। कुछ समय बाद वापस लौटा तो देखा पत्नी उल्टी कर रही है। छोटेलाल ने कीटनाशक की गंध आने पर कीटनाशक पी लेने पर उसे तत्काल प्रतापपुर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने महिला की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात लाश का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

टाइगर प्वाइंट के झरने से नीचे गिरा युवक, मौके पर मौत

अंबिकापुर/मैनपाट। पर्यटन स्थल मैनपाट के टाइगर प्वाइंट झरने से गिरकर रविवार को एक युवक की मौत हो गई। युवक लगभग 40 फीट की उंचाई से नीचे गिरा। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि युवक लम्बे समय से बीमार था। ऐसे में आशंका है कि युवक ने कूदकर आत्म हत्या की है। इस घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। इसके साथ ही पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि मैनपाट के नर्मदापुर निवासी 30 वर्षीय मयंक यादव आ. बलराम यादव रविवार की दोपहर घर से यह कहकर निकला था कि वह टाइगर प्वाइंट झरने में नहाने के लिए जा रहा है। इस दौरान युवक झरने के प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंच गया और घूमते हुए झरने से नीचे गिर गया। जिस समय यह हादसा हुआ उस दौरान घटना स्थल पर बड़ी संख्या में शैलानी मौजूद थे। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लगभग 40 फीट की उंचाई से युवक नीचे पत्थरों के बीच गिरा जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची जिसके पुलिस ने झरने के नीचे तलाश शुरू की।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का जिले में हुआ आयोजन

जशपुर जिले से 8500 विद्यार्थी हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से तत्वाधान में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन 13 अक्टूबर को पूरे छत्तीसगढ़ में सम्पन्न हुआ एवं इस वर्ष जशपुर जिले से 8500 से अधिक की संख्या में विद्यार्थियों का परीक्षा में शामिल हुए।

परीक्षा में कक्षा 5वीं से 12वीं तक एवं महाविद्यालय स्तर में भी परीक्षा में छात्र छात्राओं ने भाग लिया। उक्त परीक्षा में बच्चों को भारतीय संस्कृति, बाल संस्कार, नैतिक शिक्षा आदि विषयों से संबंधित हल करने के लिए 100 प्रश्न दिए गए थे जिसे ओ एम आर शीट में उत्तर अंकित करना था। इस वर्ष बच्चों एवं शिक्षकों में परीक्षा के प्रति अच्छा विशेष उत्साह एवं उमंग देखा गया। परीक्षा समिति के जिला संयोजक साहदुल सिंह ने बताया कि बच्चों को सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ साथ विद्या की भी आवश्यकता होती है एवं बच्चों के नैतिक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास के उद्देश्य से प्रतिवर्ष यह परीक्षा पूरे देश में शांतिकुंज हरिद्वार परीक्षा समिति के द्वारा आयोजित किया जाता है के जिसमें भारत के 22 राज्यों के साथ नेपाल देश में दो लाख से अधिक विद्यालयों में दो लाख शिक्षकों एवं गायत्री परिवार के लाखों कार्यकत्ताओं के अमूल्य सहयोग से सम्पन्न होती है, जिससे 40 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं। जिला परीक्षा समिति के सदस्य मनियार साय पैंकरा ने बताया कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का उद्देश्य बच्चों को महान भारतीय संस्कृति से परिचित करना है साथ ही साथ ही बच्चों में अच्छे संस्कारों का बीजारोपण करना राष्ट्रीय प्रेम, सत्य, न्याय, वीरता, दया, करुणा, उच्च स्तरीय एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को जागृत करना, दुर्व्यसनो से छूटकरा, राष्ट्रीय गौरव का सम्मान करना भी परीक्षा का उद्देश्य है। परीक्षा के जिला सचिव रवि गुप्ता ने बताया कि परीक्षा हेतु नामांकन करने वाले बच्चों को परीक्षा से संबंधित एक साहित्य दिया जाता है एवं मेरिट सूची में आने वाले छात्रों को जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर भी सम्मानित किया जाता है एवं सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र भी दिया जाता है। उक्त परीक्षा को संपन्न कराने में जिला परीक्षा समिति के सदस्य साहदुल सिंह, एम एस पैंकरा, रवि गुप्ता, दौलत राम चौहान जशपुर से डमरूधर स्वर्णकार, राजेश्वरी साहू, श्वेता दुबे, किरण सिंह, कुनकुरी से विनायक साय, संजय नायक दुलदुला से रामेश्वर विश्वकर्मा, गौरीशंकर निराला, टी आर यादव कांसाबेल से प्रेमशंकर यादव, सीबी पैंकरा, फरसाबहार से राजेंद्र सिंह, वीरेंद्र गुप्ता,प्रमोद साव,किशोर साव पत्थलगांव से कांशीराम श्रीवास, प्रकाश यादव, गणेशराम भगत, संतेश्वर यादव, मनोरा से भूखला राम, बगीचा से वीरेंद्र शास्त्री एवं सभी विद्यालय के शिक्षक गण की सहभागिता सराहनीय रूप से रही।

- बच्चों के नैतिक चारित्रिक एवं बौद्धिक विकास हेतु ली जाती है परीक्षा

दो सड़क हादसों में पांच लोग गंभीर रूप से घायल

एक की हालत नाजुक अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर

जशपुरनगर। रविवार की रात जशपुर जिले में सड़कों पर फिर मौत ने दस्तक दी। नारायणपुर–बगीचा स्टेट हाइवे मार्ग पर हुए दो अलग-अलग भीषण सड़क हादसों में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें एक युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। दोनों हादसों ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहली घटना देर रात करीब 10:30 बजे साहीडांड और भीतघरा के बीच की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार बाइक सवार युवक नशे की हालत में तेज रफ्तार से जा रहा था। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 संजीवनी एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने घायल को प्राथमिक उपचार के लिए बगीचा अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

मंदिर दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु

वहीं दूसरी घटना सेंद्रीमुंडा-साहीडांड मार्ग पर हुई, जहां ऑल्टो कार और टवेरा वाहन की आमने-सामने की टक्कर में चार लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि टवेरा में सवार श्रद्धालु कुदरगढ़ मंदिर दर्शन कर लौट रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार ऑल्टो कार ने टवेरा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और टवेरा में सवार श्रद्धालु घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने तुरंत घायलों को सड़क से निकालकर 108 एंबुलेंस की मदद से होलीक्रॉस अस्पताल कुनकुरी भेजा, जहां सभी का उपचार जारी है। सूचना मिलते ही कुनकुरी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है।

बगीचा में शिक्षकों की समीक्षा बैठक

बगीचा। शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने तथा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु हाई स्कूल बगीचा में सोमवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, प्रदीप राठिया ने की। इस दौरान क्षेत्र के सभी प्राचार्य, प्रधान पाठक और शिक्षक उपस्थित रहे।

- छात्रों के जाति प्रमाण पत्र, अपार आईडी और गौ-विज्ञान परीक्षा पंजीयन पर दिए निर्देश

विद्यालयों की पहचान केवल भवनों से नहीं, वहां दी जाने वाली शिक्षा से होगी: एसडीएम प्रदीप राठिया ने अधिकारियों और शिक्षकों से कहा कि अब विद्यालयों की पहचान केवल भवनों से नहीं, बल्कि वहां दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता से होगी। प्रत्येक शिक्षक को नियमित उपस्थिति के साथ बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ाने के लिए सक्रिय रहना होगा। शासकीय योजनाओं में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।उन्होंने आगे कहा कि हर विद्यार्थी में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करना ही शिक्षक का वास्तविक उद्देश्य होना चाहिए।

इन विषयों पर हुई चर्चा

बैठक में शिक्षकों के कार्य, विद्यालयों की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों एवं शासकीय योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। साथ ही अपार आईडी, यू-डाइस एंट्री, "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान, यशस्वी जशपुर, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र एवं धरती आभा पोर्टल जैसे बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

जाति प्रमाण पत्र के लिए विशेष शिविर का आयोजन होगा

एसडीएम ने इस दौरान यह भी निर्देश दिए कि क्षेत्र के सभी विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र शीघ्र तैयार किए जाएं और इसके लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि किसी छात्र को शासन की शैक्षणिक योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में बाधा न आए।

जशपुर की बेटियों का जलवा: 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट में सरगुजा जोन उपविजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में 5 से 7 अक्टूबर तक आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में अंडर-19 गर्ल्स क्रिकेट टूर्नामेंट में सरगुजा जोन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब जीता।

- रायपुर जोन को कड़ी टक्कर देकर जीता सिल्वर

टीम की इस सफलता में जशपुर के खिलाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसके चलते सरगुजा जोन ने लगातार दूसरे वर्ष सिल्वर मेडल प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया। टूर्नामेंट में सरगुजा अंडर-19 गर्ल्स क्रिकेट टीम ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न जोन की टीमों को कड़ी चुनौती दी। अपने सफर में सरगुजा की टीम ने क्रमशः बस्तर जोन, दुर्ग जोन, और बिलासपुर जोन को हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई।

जशपुर की खिलाड़ियों का रहा दबदबा

सरगुजा क्रिकेट टीम की कप्तान वर्षा बाई थीं। टीम में शामिल अधिकतर खिलाड़ी जशपुर जिले के ईचकेला हॉस्टल और लूथरन हाई स्कूल से थीं, जिनमें वर्षा बाई, एंजिल लकड़ा, साक्षी यादव, पूर्वशी साहू, संतोषी बाई, रितु भगत, रेखा बड़ा, अजंतीबाई, सुप्रिया मिंज, तुलसीका आदि शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी लूथरन हाई स्कूल ईचकेला में पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट का अभ्यास करती हैं। खिलाड़ियों के कोच संतोष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सरगुजा की 16 सदस्यीय टीम में जशपुर के इन खिलाड़ियों के अलावा अंबिकापुर के दो, कुनकुरी से दो खिलाड़ी और कोतबा से मीनाक्षी यादव भी सम्मिलित थीं।

फाइनल में रायपुर जोन से मुकाबला

फाइनल मुकाबला सरगुजा अंडर-19 गर्ल्स क्रिकेट टीम और रायपुर जोन के बीच हुआ। रोमांचक मुकाबले में सरगुजा टीम उपविजेता रही और सिल्वर मेडल प्राप्त किया, जबकि रायपुर जोन ने गोल्ड मेडल जीतकर टूर्नामेंट अपने नाम किया।

गौरव का क्षण

युवा समाजसेवी और पूर्व खिलाड़ी सूर्यकांत चन्द्रा ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह जशपुर के लिए गौरव की बात है कि हमारी टीम ने लगातार दूसरे वर्ष सिल्वर मेडल लाकर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये सभी खिलाड़ी महारानी क्रिकेट क्लब का नाम रोशन कर रही हैं और बालिकाओं को खेल के प्रति रुचि लाने का काम भी कर रही हैं।

मनोरा में खुलेंगे पोषण पुनर्वास केंद्र

जशपुरनगर। सोमवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विश्वास राव मस्के की अध्यक्षता में जीवन दीप समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने तथा पोषण संबंधी सुधारों पर विशेष चर्चा की गई। बैठक के दौरान एसडीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनोरा में पोषण पुनर्वास केंद्र की स्थापना के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुपोषित बच्चों के उपचार और देखभाल के लिए एनआरसी की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे क्षेत्र के बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि एनआरसी प्रारंभ करने के लिए आवश्यक राशि हेतु जिला स्तर पर मांग पत्र भेजा जाएगा, ताकि जल्द से जल्द इसकी स्वीकृति प्राप्त कर केंद्र का संचालन प्रारंभ किया जा सके। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

आयुष विभाग की विभिन्न गतिविधियां व निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वां वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती के अवसर पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास निर्देशन एवं जिला आयुष अधिकारी जशपुर के मार्गदर्शन में रजत जयंती विशेष सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आयुष विभाग के द्वारा विगत दिवस 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शासकीय आयुर्वेद औषधालय जशपुर में सामूहिक योगाभ्यास किया गया एवं 11 अक्टूबर को स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा जिले के समस्त आयुष संस्थाओं में हर्बल गार्डन भ्रमण किया गया एवं औषधीय पौधों शतवारी, सहिजन, एलोवेरा, अपराजिता,

एरण्ड, अमलतास, नीम, तुलसी इत्यादि के बारे में जानकारी दी गयी। रजत जंयती विशेष सप्ताह के जिला नोडल एवं आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिकृष्ण श्रीवास और आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा रजत जयंती विशेष सप्ताह के रविवार को जशपुर के बाजारडांड में निःशुल्क जिला स्तरीय स्वास्थ्य शिविर एवं औषधीय पौधों के प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 446 रोगियों का उपचार किया गया। इनमें आयुर्वेद पद्धति से 248 एवं होम्योपैथी पद्धति से 198 रोगियों का तथा रक्त परीक्षण से 56 रोगीयों को लाभान्वित किया गया। आयुष स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत के द्वारा किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि आयुर्वेद एक प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति है, जिसका प्रयोग जीर्ण रोगों में अत्यंत कारगर है। जशपुर जिला वनौषधियों का भण्डार है। औषधियों की पहचान एवं उपयोग की आवश्यकता है। आयुर्वेद की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि औषधियों की पहचान एवं उनकी रोगों में उपयोग की जानकारी जनता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण पहल आयुष विभाग द्वारा किया जा रहा है। जो अत्यंत सराहनीय है। शिविर प्रभारी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.एलआर भगत द्वारा आयुष विभाग की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गयी।

गांजा की खेप मंगाने वाला युवक गिरफ्तार, यूपी से पकड़ा गया आरोपी

अम्बिकापुर। शहर में गांजा की खेप मंग्वाले वाले तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार किए गये आरोपी से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने 15 सितम्बर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कोई संदिग्ध व्यक्ति सतगुरु कबीर आश्रम के पीछे गांजा बिक्री करने के लिए ग्राहक का इन्तजार कर रहा है। सूचना के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर यूपी के सोनभद्र परसौना निवासी 19 वर्षीय आशुतोष शर्मा आ. विजय नारायण शर्मा को हिरासत में लेकर उसके पास से 6.5 किलोग्राम गाजा बरामद किया था जिसकी कीमत लगभग 1.25 लाख है।

पथ संचलन में दिखा एकता और राष्ट्रभाव का अद्भुत संगम

जशपुरनगर। बच्छरांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से घोष की ताल पर कदम से कदम मिलाते हुए रविवार को पथ संचलन निकाला गया। रास्ते में जगह जगह पर सामाजिक संगठनों,व ग्रामीणों ने घरों के सामने पथ संचलन का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

इस पथ संचलन कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता,संघ संस्थापक डा केशव राव बली राम हेडगेवार और माधव राव सदाशिव गोवलकर के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर नमन कर शस्त्र पूजन कर बैंड बाजाओं के साथ पथ संचलन शुरु किया गया। पथ संचलन बच्छरांव हाई स्कूल ग्राउंड से शुरु कर कुशुमटोली, अटल चौक, गंझुटोली होते हुए माझाटोली तक कंधे मे दंड लेकर संघ के गानों के साथ भ्रमण किया गया। पथ संचलन के समय हर चौक चौराहों पर भगवा रंगों मे मातृ शक्ति माताओं,बहनों के द्वारा स्वयं सेवकों पर पुष्प वर्षा,आरती एवं वन्दे मातरम, भारत माता की जय के नारों से स्वागत कर स्वयं सेवकों

का उत्साह बढ़ा रहे थे साथ ही जगह जगह पर पथ संचलन मार्ग पर रंगोली से सजा रखे थे जो देखने लायक था।राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना विजयादशमी के दिन वर्ष 1925 मे डा हेडगेवार ने की सौ। संघ की सौ वर्ष पूर्ण होने पर संघ शताब्दी वर्ष मना रहा है।संघ आज विश्व की सबसे बड़ा स्वयं सेवी संघठन बन चुका है।संघ ने समाज के हर वर्ग को संघठित करने और राष्ट्रहित मे कार्य किया है।संघ ने राष्ट्रनिर्माण के लिए समय समय पर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के हर वर्ग हेतु कार्य किया है।शाखाओं के माध्यम से शारीरिक,बौद्धिक और नैतिक प्रशिक्षण देकर संघ स्वयं सेवकों मे अनुशासन,त्याग और सेवा की भावना का संचार करता है।संघ का मूल उद्देश्य हिन्दु समाज को संघठित करना और राष्ट्र को परम वैभव तक ले जाना है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं संघ के प्रांत प्रमुख छ ग ललित कुमार मानिकपुरी प्रमुख वक्ता ने कहा स्वयं सेवकों को जय जय कार नही चाहिए, भारत माता की जय जय कार होनी चाहिए।उन्होंने आगे कहा संघ का कार्य ईश्वरीय कार्य है। सनातन ही राष्ट्र है,सामान्य समाज मे ही देश भक्ति का भावना है।भारत के सर्वांगिन विकास के लिए स्वयं सेवकों ने आजन्म काम करने के लिए संकल्प लिए हैं। प्रांतीय अध्यक्ष मुंडा समाज के शंकर राम बरला ने अपने संबोधन मे राष्ट्र ही सर्वोपरी विचारों को रखते हुये जाति धर्म,संस्कृति पूजा पद्धति को नही बदलने एवं संघ मे युवा युवती को जोड़ने के साथ गांव मे संघठित रहने को कहा। उक्त कार्यक्रम मे खंड संचालक सुभास चंद्र सहित,सहखंड कार्यवाह एवं जिला के प्रकाश यादव सम्पर्क प्रमुख एवं शारीरिक शिक्षण प्रमुख अर्जुन नागदेव बौद्धिक प्रमुख सुखनाथ राम खंड सम्पर्क प्रमुख विमल नायक एवं मुख्य वक्ता तुलसीदास मानिकपुरी सहित जिला,खंड एवं मंडल के स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी तथा गणमान्य व्यक्ति एवं मातृ शक्ति माताएँ बहनें उपथ उपस्थित रहे।

संघ के शताब्दी वर्ष पर केराडीह में भव्य पथ संचलन

कुनकुरी के केराडीह मंडल में विजयादशमी एंव पथसंचलन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ,पथसंचलन के बाद धुप दीप जला कर और भारत माता ,डा, हेडगेवार, गुरूजी के चित्र पर माल्यार्पण कर इसके बाद सत्र की पुजा हुवी तत पश्चात ध्वज लगाकर प्रार्थना हुवी मुख्यतिथि प्रभाकर यादव जी के द्वारा उदबोधन हुवा मुख्य वक्ता हेमन्त नाग जी विभाग प्रचारक,विभाग सरगुजा,के द्वारा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सितम्बर सन 1925 को विजयादशमी के दिन संघ की स्थापना की गयी थी सितम्बर सन 2025 को 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष के रूप मनाने के उदेश्य के बारे बताया गया जिसमे हिन्दु संगठन को मजबूत करने व देश हित ,राष्ट्र हित आपतकाल स्थिति में सहयोग करने व सन 1947 में भारत देश की आजादी के समय बलिदान हुवे और स्वयं सेवक देश ,व राष्ट्रीय हित और धर्म रक्षा के लिए हमेशा सबसे आगे खड़े रहते है डा, केशव बलीराम हेडगेवार जी के जीवनी के बारे में भी बताए राष्ट्रीय स्वयं सेवकों की बीर गाथा के बारे बताया गया।

ये रहे उपस्थित: मुख्य अतिथि प्रभाकर यादव, मुख्य वक्ता हेमन्त नाग, विभाग प्रचारक , विभाग सरगुजा, खण्ड कार्यवाह अशोक चौहान, खेमलाल खुटे, शंकर यादव विद्याधर सिंह, चन्द्रकिशोर सिंह मंडल पालक, महानंद सिंह देवचरन चौहान, मंडल कार्यवाह अनुपनारायण सिंह , बिहारी नायक, दिनेश राम संतोष यादव, मंडल संयोजक विनय यादव सह संयोजक राहुल कश्यप, घोष प्रमुख कार्तिक चक्रवर्ती पोसनारायण, एंव सैकड़ों स्वयं सेवक व जिला, खण्ड ,मंडल,के दायित्व वान कार्यकर्ताऔर मंडल केराडीह के बंधु,भगिनी उपस्थित हुवे।

खबर संक्षेप

नगर में करवा चौथ का व्रत महिलाओं ने धूमधाम से मनाया

रामानुजगंज। नगर में करवा चौथ का पर्व

शुक्रवार को पारंपरिक आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए निर्जला व्रत रखा। शाम को महिलाओं ने सज-धज कर पूजा अर्चना की और चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोला। शहर के विभिन्न मोहल्लों में सुबह से ही उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। महिलाओं ने पारंपरिक परिधान लाल-पीली साड़ी, लहंगा-चोली और गहनों से सुसज्जित होकर करवा चौथ की पूजा की। बाजारों में भी करवा, पूजा की थालियों और श्रृंगार सामग्री की खूब खरीदारी हुई। शाम होते ही महिलाएं समूह बनाकर पूजा स्थलों या घरों के आंगन में एकत्रित हुईं। करवा माता की कथा सुनी और विधिपूर्वक पूजा संपन्न की। रात में चंद्रमा के दर्शन के बाद छलनी से पति को देखकर उन्हें जल पिलाकर व्रत खोला। कई जगहों पर महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाए और नृत्य भी किया। करवा चौथ के अवसर पर सामाजिक एकता और पारिवारिक प्रेम का विशेष दृश्य देखने को मिला। यह पर्व न केवल आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि महिलाओं के आत्मबल और समर्पण का भी परिचायक बना।

बगैर अनुमति वार्ड के गलियों में गड्ढा करने पर वार्ड पार्षद ने की पुलिस से शिकायत

सूरजपुर। नगर पालिका क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 12 अग्रसेन वार्ड पार्षद श्रीमती मजूंलता गोयल ने कोतवाली में शिकायत किया है कि वे नगर

पालिका में जल कार्य विभाग की सभापति हैं वार्ड में गैस पाईप लाईन बिछाने के नाम पर नगर पालिका से आंशिक अनुमति लेकर मनमानी तरीके से बिना अनुमति सड़कों को तोड़कर नुकसान पहुंचाया गया है। वार्ड क्रमांक 12 में श्याम मंदिर से पार्वती घाट तक की अनुमति ली गई, लेकिन बीपीसीएल के अंडर में काम कर रही एजेंसी द्वारा बगैर अनुमति वाले मोहल्ले में 200 गड्ढे खोदकर पाइप लाइन बिछा दिया गया है। जिसमें नियमानुसार कांक्रिट व डामरीकरण नहीं किए जाने से सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त व जानलेवा हो गई है। जगह-जगह पानी पाइप लाईन क्षतिग्रस्त कर देने से आए दिन पानी सप्लाई कार्य बाधित हो रही है। टीम के कर्मचारी शिवम कुमार, दिपेश दुबे व अन्य से चर्चा करने के बाद वे मशीनरी व कर्मचारी लेकर वार्ड से भाग गए हैं। वार्ड पार्षद ने बीपीसीएल गैस पाईप लाईन के नाम पर बगैर अनुमति की जा रही सड़कों व मोहल्लों की खुदाई करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

आरटीआई को खत्म करने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण

अंबिकापुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव परवेज आलम गांधी ने कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार के दौरान प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह एवं यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी ने सरकारी व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से आरटीआई लागू किया गया। आरटीआई ने नागरिकों को मजबूत किया एवं भ्रष्टाचार के कई मामले सामने भी आए। आरटीआई अपने आप में एक विशेष प्रकृति का कानून था जिसकी प्रशंसा पूरे विश्व में हुई। इस कानून ने देश के नागरिकों को सरकारी सूचनाओं की आसानी से प्राप्ति का अधिकार दिया। यह बेहद चिंताजनक है कि मोदी सरकार के कार्यकाल में आरटीआई को लगातार कमजोर किया गया है। 2019 में सूचना आयुक्त की शक्तियां कम की गईं। वर्तमान में केन्द्रीय सूचना आयोग में प्रमुख सूचना आयुक्त समेत 9 पद रिक्त हैं एवं केवल 2 सूचना आयुक्त नियुक्त हैं। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम के नाम पर आरटीआई में जानकारी छिपाई जा रही हैं। मोदी सरकार निहित स्वार्थों के कारण आरटीआई को धीरे-धीरे खत्म करने का प्रयास कर रही है जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

बैल का मांस ले जाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

शंकरगढ़। मृत बैल का मांस काटकर बटवारा करने तथा ले जाने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक ग्राम आमगांव निवासी आशीष कुमार गुप्ता आ. महावीर प्रसाद गुप्ता (26 वर्ष) ने 9 अक्टूबर को पुलिस को सूचना दिया कि ग्राम आमगांव नहर के पास ग्राम खरकोना निवासी रुकवा पहाड़ी कोरवा एवं ग्राम टिकनी निवासी कैलाश दिवाकर सहित दो-तीन अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राम जमाडी का एक बैल की मृत्यु हो जाने से मृत बैल को दफनाने के लिए आमगांव नहर के पास ले गए। इधर रुकवा कोरवा, कैलाश दिवाकर द्वारा मृत बैल को दफनाने के बजाए बैल का मांस काटकर बंटवारा करने के लिए घर ले जा रहे है। सूचना पर पुलिस द्वारा प्रार्थी के साथ मौके पर जाकर चेक करने पर पुलिस के आने के अंदेशा होने से आरोपी मौके से फरार हो गए थे। मौके पर मृत बैल को रुकवा आ. स्व. पुरवा (45 वर्ष) व कैलाश दिवाकर आ.स्व. पदुआ (40 वर्ष) द्वारा मांस बनाकर खाने के उद्देश्य से मांस काट कर ले गए हैं।

विधायक की पहल से हो सकी शुरू

कृषि महाविद्यालय के संचालन शुरू होने से छात्रों को मिली बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ प्रतापपुर

क्षेत्र में कृषि महाविद्यालय के संचालन शुरू होने से न सिर्फ क्षेत्र के छात्रों को बड़ी राहत मिली बल्कि लोगों में का फी उत्साह है। स्वीकृति मिलने के बाद भी महाविद्यालय का संचालन शुरू नहीं हो सकी थी और सिर्फ चुनावी मुद्दा बन गया था। इधर विधायक शकुंतला पोर्ते की पहल से गत दिन से ही कृषि महाविद्यालय का संचालन शुरू किया गया। महाविद्यालय के संचालन शुरू होने से अब क्षेत्र के छात्रों को लंबी दूरी तय कर अम्बिकापुर अध्ययन के लिए जाना नहीं पड़ेगा।

खास बात

- लंबे समय से क्षेत्र के लोगों कर रहे थे मांग, स्वीकृति के बाद भी नहीं हो सका था प्रारंभ

कहते हैं कि वो वादे नहीं, इरादे होते हैं जो इतिहास बनाते हैं। यह कहावत हर किसी पर सही नहीं बैठती, लेकिन विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने इसे न सिर्फ चरितार्थ किया, बल्कि अपने काम से यह साबित भी कर दिया कि अगर इच्छा शक्ति मजबूत हो तो असंभव को भी संभव में बदला जा सकता है।

छात्रावास में संचालित कृषि महाविद्यालय।

मांग नहीं, अब हक बन चुका था यह कॉलेज

प्रतापपुर के लोगों की यह वर्षों पुरानी मांग थी। हर चुनाव में यह मुद्दा उठता, हर बार आश्वासन मिलता रहा। छात्रों को कृषि शिक्षा के लिए बाहर जाना पड़ता था। ऐसे में आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक दबावों के बीच कई प्रतिभाएं दम तोड़ देती थीं। ऐसे में जब यह घोषणा हुई कि प्रतापपुर में कृषि महाविद्यालय की स्वीकृति मिल गई है और जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा, तो यह खबर पूरे क्षेत्र में उत्सव बन गई।

लंबी दूरी से मिली निजात

प्रतापपुर क्षेत्र बड़ी संख्या में छात्र कृषि महाविद्यालय अंबिकापुर में पढ़ाई करने आते थे। प्रतापपुर में कृषि महाविद्यालय की स्वीकृत होने के बावजूद भवन निर्माण को लेकर महाविद्यालय का संचालन शुरू नहीं हो सका। ऐसे में छात्रों को लंबी दूरी तय कर अंबिकापुर कृषि महाविद्यालय आना पड़ता था। अब प्रतापपुर में ही कृषि महाविद्यालय का संचालन शुरू हो जाने से क्षेत्र के छात्रों का न सिर्फ लंबी दूरी तय करने से राहत मिली बल्कि अब प्रतापपुर में ही कृषि की पढ़ाई कर सकते है।

प्रतापपुर में बाकी नदी के समीप छात्रावास भवन में व्यापक व्यवस्था के साथ में दो दिन पूर्व से कृषि महाविद्यालय का क्लास प्रारंभ हो गया है। प्रतापपुर सहित आसपास क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। कृषि विद्यालय को लेकर स्थान चयन हेतु कई तरह की संशय बनी हुई है। लोग लंबे समय से प्रतापपुर में ही कृषि महाविद्यालय की मांग कर रहे थे। इधर विधायक शकुंतला पोर्ते ने मुख्यमंत्री सहित कृषि मंत्री से इस पर चर्चा करते हुए प्रतापपुर के बाकी नदी समीप बने छात्रावास भवन में कृषि महाविद्यालय को अंबिकापुर में लग रहे क्लास को अब प्रतापपुर में प्रारंभ कर दिया गया है जहां कृषि संबंधित पढ़ाई की जा रही है। कई वर्षों से लंबित, बहुप्रतीक्षित और बार-बार वादों में उलझा कृषि महाविद्यालय, जिसे केवल एक चुनावी मुद्दा बनाकर छोड़ दिया गया था। अब वही कॉलेज मूर्त रूप लेने लगा है। पूर्ववर्ती सरकारों के दिग्गज नेता भी इस योजना को हकीकत का जामा पहनाने में असफल रहे, वहीं पोर्ते ने मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री और उच्च अधिकारियों से लगातार संवाद कर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतापपुर की यह ऐतिहासिक जीत केवल एक शैक्षणिक संस्थान की शुरुआत नहीं है, बल्कि यह उस भरोसे का जवाब है, जो जनता ने अपनी विधायक पर जताया था।

नहीं रुकेगी विकास कार्य

क्षेत्रीय विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने कहा कि पूर्व में कांग्रेस सरकार के बड़े नेता अपने कार्यकाल में नहीं करवा सके उस कार्य को भाजना सरकार ने कर के दिखाया है। भाजपा सरकार द्वारा विकास के कई कार्य कर रहे है और विकास कार्य नहीं रूकेगी। यह सिर्फ शिक्षा की उपलब्धि नहीं, प्रतापपुर के आत्मसम्मान की भी जीत है। युवाओं को अब रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, स्थानीय स्तर पर कृषि तकनीक का विकास होगा और क्षेत्र की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

कार्यशाला में वेब डीसीएफ की तकनीक की दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

संत गहिरा गुरू विवि द्वारा ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन 2024-25 विषय पर विवि के पुराने प्रशासनिक भवन में रासेयो की राज्य नोडल अधिकारी डॉ.नीता वाजपेई, मुख्य वक्ता डॉ.जितेंद्र कुमार गुप्ता के आतिथ्य एवं कुलपति प्रो.प्रेमप्रकाश सिंह एवं कुलसचिव डॉ.शारदा प्रसाद त्रिपाठी की उपस्थिति में कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में कुलपति प्रो.सिंह ने प्राचार्यो एवं नोडल अधिकारियों को ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन के पोर्टल पर डाटा अपलोड करने, संबंधित पहलुओं पर डेटा को वैलिडेट करने एवं शिक्षक के दायित्वों को निष्ठा से पूरा करने का आह्वान किया। उन्होंने नोडल अधिकारियों को विश्वविद्यालय की आगामी योजनाओं व शोध कार्य करने हेतु प्रेरित किया। कुलसचिव डॉ.त्रिपाठी ने कार्यशाला को कुलसचिव डॉ.त्रिपाठी ने कार्यशाला में उपस्थित प्राचार्यगण को पूरक परीक्षा की जानकारी प्रदान की। उप कुलसचिव प्रवीण अग्रवाल ने विवि के पोर्टल पर निर्धारित समय पर आंतरिक मूल्यांकन के अंक एवं महाविद्यालय से संबंधित त्रुटि रहित जानकारी अपलोड करने की बात कही। तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता डॉ.गुप्ता ने वेब डीसीएफ के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। अंत में अतिथियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यशाला का संचालन आनंद कुमार एवं आभार प्रदर्शन डॉ.समन नारायण उपाध्याय ने किया।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का समापन

अम्बिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राणिशास्त्र एवं वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय रिसेट एडवांसेस इन बायोलॉजिकल साइंसेस विषय के अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रथम दिवस टेक्नोलॉजी का महत्व, सिकलसेल, एनिमिया की रोकथाम, क्रोनालॉजी, कैंसर एवं क्रोनोथेरेपी जैसे विषयों पर चर्चा की गई। द्वितीय दिवस प्रो.डॉ.मिनाक्षी तिवारी एवं मियामी विवि के डॉ.शैलेश ने कैंसर बायोलॉजी के विभिन्न आयामों पर अपने रिसर्च प्रस्तुत किए। हावर्ड मेडिकल स्कूल में डॉ.अरिजित चक्रवर्ती ने पैथोजन एवं मेक्रोफेज के अंतर्संबंध पर आणविक प्रक्रिया को समझाया। उतई दुर्ग के डॉ.अवधेश कुमार श्रीवास्तव साईनोबेक्टीरिया का उपयोग पर चर्चा की। डॉ.सुषमा केरकेट्टा ने कार्बन मार्केट ट्रांजिशन विषय पर व्याख्यान दिया। कुलपति प्रो.पीपी सिंह अतिरिक्त संचालक प्रो.रिजवान उल्लाह के आतिथ्य में संगोष्ठी का समापन किया गया। इस दौरान प्रो.अवशेष कुमार श्रीवास्तव, डॉ. एचडी महार, डॉ.जेरमिना तिर्की, डॉ.अनील कुमार सिन्हा उपस्थित थे। अंत में शोधार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.उमेश पाण्डेय तथा आभार प्रदर्शन डॉ.मोहनी भारद्वाज ने किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शोधार्थी, विद्यार्थी एवं प्राध्यापक उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश के सीधी से लापता अर्धविक्षिप्त युवती को पुलिस ने परिजन से मिलाया

बिश्रामपुर। लटोरी पुलिस ने एक गुमशुदा अर्धविक्षिप्त युवती को उसके परिजन से मिलाकर एक परिवार की खुशी लौटा दी है,युवती पिछले दो महीनों से लापता थी,जिसकी पता तलाश उसके परिजन लगातार कर रहे थे,लटोरी पुलिस ने बताया कि 9 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे लटोरी पुलिस टीम रोड पेट्रोलिंग पर थी।

उसी दौरान ग्राम करवां क्षेत्र में एक अर्धविक्षिप्त युवती को सड़क किनारे भटकते हुए पुलिस टीम ने देखा,जब पुलिसकर्मियों ने उससे नाम-पता पूछने की कोशिश की,तो वह स्पष्ट रूप से अपने बारे में कुछ बता नहीं पा रही थी, थोड़ी बातचीत के दौरान पुलिसकर्मियों ने युवती के बोलचाल और उच्चारण से यह अंदाजा लगाया कि वह मध्यप्रदेश के बैढ़न या सीधि क्षेत्र की रहने वाली हो सकती है,इसके बाद लटोरी चौकी प्रभारी अरुण गुप्ता और उनकी टीम ने उससे विस्तार से बातचीत की,धीरे-धीरे विश्वास बनाते हुए युवती ने अपना नाम प्रीति केवट पति राजेश केवट 40 वर्ष, निवासी गली नंबर 3, वार्ड नंबर 14,आजाद नगर,बंजारी, जिला सीधि मध्यप्रदेश का होना बताया, रात होने के कारण युवती की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उसे तत्काल सखी वन स्टॉप सेंटर सूरजपुर में सुरक्षित रखवाया गया,इसके बाद लटोरी पुलिस ने जिला थाना सीधी और कंट्रोल रूम से संपर्क कर युवती के परिजनों को सूचना दी,सूचना मिलते ही परिजन तत्काल सूरजपुर पहुंचे,इसके पश्चात लटोरी पुलिस ने परिजन को साथ लेकर सखी सेंटर पहुंच युवती से मुलाकात की,दो महीने बाद अपनी लापता बेटी को सकुशल देखकर परिजनों की आंखें खुशी से भर आईं,पूछताछ में परिजनों ने बताया कि प्रीति करीब दो महीने पहले घर से बिना बताए निकल गई थी और उसका कोई पता सुराग नहीं मिल पा रहा था,इस कार्य में लटोरी चौकी प्रभारी अरुण गुप्ता, प्रधान आरक्षक रामनिवास तिवारी, दिलेश्वर सिंह, आरक्षक विकास मिश्रा, संतोष जायसवाल, जयप्रकाश यादव एवं महिला आरक्षक सुनीता सोनपाकर सक्रिय रहे।

एक मांग एक मंच अभियान की हुई बैठक हस्ताक्षर अभियान चलाने का लिया गया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

पांच प्रदेश अध्यक्ष और एक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में एक मांग एक मंच अभियान की बैठक स्थानीय जनपद सभागार में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश के मुख्य सचिव के नाम से एक सूत्री मांग पर नवंबर से पूरे प्रदेश में हस्ताक्षर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

एक मांग एक मंच अभियान के नेतृत्वकर्ता श्री अटेरिया ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समय की मांग है अब पूरे प्रदेश के कर्मचारियों को अपने महंगाई भत्ता और महंगाई भत्ता के एरियर्स के लिए खुद को आगे आना होगा। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर से 33 दिनों तक मुख्य सचिव के नाम से हस्ताक्षर अभियान पूरे प्रदेश भर में चलाया जाएगा। हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत सरगुजा जिले से की जाएगी। श्री अटेरिया के इस प्रस्ताव पर बैठक में उपस्थित एक-एक सदस्यों ने अपने उद्बोधन में समर्थन किया। संघ के प्रांताध्यक्ष अध्यक्ष अनिल पांडे ने अभियान का नाम एक मंच एक मांग एक अभियान हर कर्मचारी अधिकारी का स्वाभिमान रखने का प्रस्ताव दिया जिसे उपस्थित लोगों द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोषालय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ठाकुर ने बताया कि सरकार प्रदेश के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों के साढ़े सात वर्ष का एरियर्स भुगतान रोके हुए हैं जिसे इस अभियान के माध्यम से ही पाया जा सकता है। बैठक को उपेंद्र पैकरा, मीना राजवाड़े, विद्याभूषण दुबे, सुजान बिंद, अनिल पांडेय ने भी संबोधित किया। बैठक का संचालन पंचायत सचिव कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने किया। इस दौरान करन सिंह अटेरिया, डॉ. जितेंद्र सिंह ठाकुर, मीना राजवाड़े, अनिल पांडेय, सुजान बिंद, विद्याभूषण दुबे, सुशील गुप्ता, अनिल गुप्ता, मो. हफीज खान, केएस गोयल, सुभाषचंद्र गौड़, सूरज विश्वकर्मा, पंकज मिश्रा, गायत्री देवी, सुशील गुप्ता, बनारसी प्रसाद, श्याम कुमार साहू, सुशील कुमार साहू सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वयं सेवकों ने किया शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन

अम्बिकापुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सारगवा मंडल के स्वयंसेवकों ने इंजीनियरिंग कॉलेज प्रांगण में शस्त्र पूजन व बौद्धिक कार्यक्रम बस्तियों में पथ संचलन किया। पथ संचलन में बाल स्वयंसेवक से लेकर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राध्यापक, छात्र , सरस्वती महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं ग्रामों के स्वयंसेवक शामिल हुए। मुख्य अतिथि डॉ.आरएन खरे ने कहा कि संघ ने समाज जीवन के हरेक क्षेत्र में कार्य खड़ा कर मानवीय चेतना को जागृत करने का काम किया है तथा अपने कार्यों से भारत व भारतीयता को अनुपम भेंट दी है।

मुख्य वक्ता नरेंद्र सिन्हा ने कहा कि जब समाज में हिंदुत्व को लेकर निराशा की भावना व्याप्त थी तब अपने कुछ मित्रों के साथ राष्ट्रीय चेतना की जागृति के लिए नागपुर के मोहिते वाडा में विजयादशमी के दिन संघ की स्थापना की गई। शताब्दी अवसर पर संघ सामाजिक सद्भाव, स्वबोध, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक शिष्टाचार, संघ के कार्य विस्तार व दृढ़ीकरण कार्य करने वाला है। इस दौरान समीर मंडल, विजय व्यापारी, अजीत सिंह, वीरेंद्र गवई, चंदेश्वर चक्रधारी, आरके साहू, महीधर दुबे, डेमन केशले उपस्थित थे।

डीएवी स्कूल में रन फॉर डीएवी एवं साइकिल रैली कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में रविवार को प्राचार्य एचके पाठक के मार्गदर्शन में डीएवी,सीएमसी नई दिल्ली के निर्देशानुसार विद्यालय के कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए रन फॉर डीएवी मैराथन प्रतियोगिता एवं एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के तत्वावधान में कक्षा पांचवीं से सातवीं तक के बच्चों के लिए साइकिल रैली का आयोजन किया गया,इसका उद्देश्य मनोविनोद के साथ-साथ शरीर को स्वस्थ बनाए रखना है।

- विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उत्सावर्धन किया गया

वरिष्ठ शिक्षक एएम चौबे, सी.पंडा,एलआर साहू, विमान घोष, अमूल्य भोई, रामजी सिन्हा, श्रीमती पी.दीक्षित एवं श्रीमती ममता सिंह के नेतृत्व में रन फॉर डीएवी प्रतियोगिता में विद्यालय के पंजीकृत 475 छात्र-छात्राओं एवं साइकिल रैली में 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीएम संचालन जीके राय थे,अन्य अतिथियों में क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण सिंह,एरिया पर्सनल मैनेजर एसकेपी शिंदे,पर्सनल मैनेजर एचएन तिवारी,प्राचार्य एचके पाठक

थे,साइकिल रैली में विद्यार्थियों, अतिथियों सहित प्राचार्य ने उत्साह से सहभागिता की,मुख्य अतिथि जीके राय द्वारा क्रीड़ाध्वज दिखाकर रन फॉर डीएवी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया,मुख्य अतिथि जीके राय ने कहा कि इस अभियान से बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन होता है और उनका उत्तम स्वास्थ्य बना रहता है,प्राचार्य एचके पाठक ने कहा कि शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेलों में बच्चों की भागीदारी अवश्य होनी चाहिए।स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने के लिए सभी को किसी न किसी प्रकार की शारीरिक गतिविधियों में अवश्य भाग लेनी चाहिए। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापक एलके दास ने किया,सामूहिक शांति पाठ के साथ आयोजन का सफल समापन किया गया।गौरतलब है कि रन फॉर डीएवी स्पर्धा के बालक वर्ग में आर्यन यादव,कक्षा आठवीं ने प्रथम,अथर्व यादव कक्षा बारहवीं ने द्वितीय एवं तीर्थराज यादव कक्षा नवमी ने तृतीय स्थान अर्जित किया।

बालिका वर्ग में सानिया कक्षा आठवीं ने प्रथम, श्रद्धा राजवाड़े, कक्षा बारहवीं ने द्वितीय और महिमा रवि कक्षा छठवीं ने तृतीय स्थान हासिल किया,साइकिल रैली में गुरमीत सिंह,कक्षा सातवीं ने प्रथम स्थान,विहान गुप्ता सातवीं ने द्वितीय एवं अथर्व मिश्रा,सातवीं ने तृतीय स्थान हासिल किया है,प्रतियोगिताओं में विजयी छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

मैराथन दौड़ में 80 बच्चों ने लिया भाग

प्रतापपुर। कनक नगर डीएवी स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मनीष कुमार दुबे के निर्देशन में सुबह 8 बजे नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मानती सिंह तथा मंडल अध्यक्ष मुकेश तायल द्वारा हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया गया। यह दौड़ बस स्टैंड से प्रारंभ होकर खुरमा चौक में समाप्त हुई। इस दौड़ में लगभग 80 बच्चों ने भाग लिया प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रथम, द्वितीय स्थान अंकित, नितिन और चंद्रकांत ने प्राप्त किया। बालिका वर्ग में प्रथम स्थान संध्या, सुनीता और सीमा द्वारा प्राप्त किया गया। प्रतियोगिता को संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन प्रतापपुर का विशेष योगदान रहा। मैराथन का मुख्य उद्देश्य एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण करना है, जो समाज को सकारात्मक दिशा में गतिशील बनाए।

रन फॉर डीएवी में छात्र छात्राओं ने लिया हिस्सा

राजपुर। डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल पतरातू में रन फॉर डीएवी का आयोजन किया गया। डीएवी सीएमसी एवं डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित यह कार्यक्रम क्षेत्रीय अधिकारी प्रशांत कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। दौड़ का शुभारंभ डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल पतरातु परिसर शुरू हुआ और अटल चौक में संपन्न हुआ। इस दौड़ में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष विनय भगत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती शशिकला भगत, एएसआई राजेश पांडेय, सरपंच श्रीमती जयंती सरकार तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ता श्रीमती कुंती नेताम सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बालक वर्ग में रूपेश कुमार गुप्ता ने प्रथम, नीरज कुमार ने द्वितीय और शौर्य रवि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में रूपा यादव, पूर्णिमा और रूपाली क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहीं। मुख्य अतिथियों ने बच्चों के उत्साह और विद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्रप्रेम और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। प्राचार्य आशुतोष झा ने बताया कि इस दौड़ का उद्देश्य महात्मा गांधी के जीवन मूल्यों सेवा, समर्पण और स्वच्छता को जन-जन तक पहुंचाना है। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में हर वर्ष अक्टूबर माह में रन फॉर डीएवी कार्यक्रम आयोजित कर स्वास्थ्य, एकता और सेवा का संदेश दिया जाता है।

खबर संक्षेप

कनिका हनुमान घाटी में हादसे से अफरा-तफरी

सुंदरगढ़। हिमगिर थाना क्षेत्र के हनुमान घाटी के नीचे ब्राह्मणी गांव के पास शुक्रवार देर रात एक भीषण सीरिज़ दुर्घटना में तीन कोयला लदे ट्रक आपस में टकरा गए। हादसे में एक ट्रक पलट गया और कोयला सड़क पर बिखर गया। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद घंटों तक सड़क जाम रही और यातायात बाधित रहा। स्थानीय लोगों ने एमसीएल और ट्रांसपोर्ट कंपनियों की लापरवाही को इस हादसे का कारण बताया। ग्रामीणों का कहना है कि खराब ट्रकों, नशे में धुत चालकों और अंधेरी सड़कों के कारण हेमगिर कनिका मार्ग पर हर दिन हादसे हो रहे हैं। खनन और ट्रांसपोर्ट कंपनियां अधिक ट्रिप और मुनाफे के लालच में लोगों की जान से खिलवाड़ कर रही हैं, जबकि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और चेतावनी दी कि यदि प्रशासन पुराने ट्रकों का परिचालन बंद नहीं करता, घाटी क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था नहीं सुधारता और चालकों के लाइसेंस की जांच सुनिश्चित नहीं करता तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। स्थानीयों ने यह भी मांग की कि गांव के चौराहों पर बेरोजगार युवाओं को सुरक्षा कर्मी के रूप में नियुक्त किया जाए ताकि हादसों पर अंकुश लगाया जा सके।

राउरकेला की अनदेखी पर फूटा जनाक्रोश

राउरकेला। कभी औद्योगिक और शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रतीक रहा राउरकेला शहर आज उपेक्षा का शिकार होता जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और रेलवे सहित लगभग हर क्षेत्र में गिरावट के खिलाफ शुक्रवार को बिरसा मुंडा चौक पर विभिन्न सामाजिक एवं जनसंगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। राउरकेला बुद्धिजीवी संघ, हिंद मजदूर सभा और अन्य संगठनों के सदस्यों ने शहर की उपेक्षा पर नाराजगी जताते हुए कहा कि राउरकेला, जो कभी राज्य का अग्रणी शहर हुआ करता था, आज विकास के क्षेत्र में पिछड़ गया है। वक्ताओं ने कहा कि राउरकेला रेलवे सेक्शन चक्रधरपुर डिवीजन में सर्वाधिक राजस्व देने के बावजूद अब तक इसे स्वतंत्र रेल डिवीजन का दर्जा नहीं मिला है। वहीं कभी राज्य का सबसे भरोसेमंद अस्पताल रहा आईजीएच अब बदहाल स्थिति में है, जिससे मरीजों को इलाज के लिए भुवनेश्वर तक जाना पड़ता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी गिरावट देखी जा रही है। एनआईटी और वीएसएसयूटी जैसे संस्थानों को छोड़कर अन्य शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय कमी आई है। वहीं राउरकेला की हवाई सेवा पूरी तरह से बंद होने से शहर की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ा है। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार से राउरकेला को पुनः उसके गौरवपूर्ण दर्जे पर लाने, शहर के विकास कार्यों में तेजी लाने और उपेक्षा की नीति समाप्त करने की मांग की।

एवरग्रीन पब्लिक स्कूल अंडोला में करियर गाइडेंस

कोसीर। एवरग्रीन पब्लिक स्कूल में करियर गाइडेंस प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके भविष्य के लिए सही दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करना था।
कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल प्राचार्य परमेश्वर बरेठ द्वारा दीप प्रज्वलन और स्वागत भाषण से हुई।
कार्यक्रम में करियर काउंसलर एवं विशेषज्ञ के रूप में सोनी एजुकेशन हब के डायरेक्टर प्रहलाद सोनी सर उपस्थित थे जिन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों जैसेदृ चिकित्सा, अभियांत्रिकी, प्रबंधन, रक्षा सेवाएं, सिविल सर्विसेज पर विस्तृत प्रकाश डाला एवं साहिब कंप्यूटर कॉलेज मोटिवेशनल स्पीकर एंड बिजनेस कोच कोसीर के डायरेक्टर चंद्रभाग बंजारे सर ने उभरते नए क्षेत्रों जैसे डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बायोटेक्नोलॉजी आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए। एवं गिफ्ट पुरस्कार भी बच्चों को दिया गया कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

86 बालिकाओं की एनीमिया जांच में 81 में खून की कमी

बालिका दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने लगाया शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

रजत जयंती पर्व पर कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला के मार्गदर्शन में गर्ल्स उच्चतर माध्यमिक शाला सरसीवां में विश्व बालिका दिवस मनाया गया। ऐसे ही कार्यक्रम तीनों ब्लॉक के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों में होने वाले जन्म जात विकृति, संक्रामक बीमारी जैसे टीबी, कुष्ठ आदि के विषय में भी बता कर बालिकाओं को जागरूक किया गया। अंत में बालिकाओं में माहवारी के समय की परेशानी के बारे में डॉक्टर नयना नवीन के द्वारा बालिकाओं को आवश्यक समझाइश दी गई। इस अवसर पर प्राचार्य वी के जायसवाल, प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ शशि जायसवाल, डॉ श्रुति दुबे, मुकेश साहू तथा सेक्टर सरसीवां के सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला ने बालिकाओं को बालिका दिवस की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व बालिका दिवस मनाने का उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एसम्मान एनिर्णय लेने एवं नेतृत्व के अवसर प्रदान करना है। बालिकाओं में शिक्षा का अवसर मिले, बराबर का अवसर मिले शिक्षा में ड्रॉप आउट न हो, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा बीमार नहीं होने पर एक सशक्त बालिका के रूप में उभर सकेगा। इस कारण बालिकाओं को उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बालिकाओं में सबसे ज्यादा स्वास्थ्य समस्या में रक्त अल्पता या खून की कमी का होता है। आज भी इसी विद्यालय में खून की जांच की गई जिसमे 86 बालिकाओं में सिर्फ 5 बालिकाओं की हीमोग्लोबिन 12 ग्राम प्रतिशत से ऊपर पाया गया अर्थात 81 बच्चे एनीमिया की श्रेणी में है।

एनीमिया के मुख्य कारण

बालिकाओं में एनीमिया के मुख्य कारण 1 संतुलित आहार की कमी उम्र के अनुसार शरीर के संचालन के लिए जितनी ऊर्जा की जरूरत होती है उसमें कमी है। 2 बच्चों में कृमि रोग होने के कारण भी एनीमिया होता है। कृमि शरीर के आंत में अपनी जगह बनाती है। हमारे द्वारा भोजन के पौष्टिक तत्व को कृमि द्वारा ग्रहण करने तथा खून को पीने के कारण बच्चों के शरीर में खून की कमी हो जाती है। सिकलसेल की बीमारी होने पर भी खून की कमी होती है क्योंकि सिकलसेल वाले बच्चों में आरबीसी का आकर हशिया के रूप में हो जाता है एवं इसकी आयु कम हो जाती है आरबीसी जल्दी मर जाने के कारण सिकलसेल वाले व्यक्ति के शरीर में खून की कमी हो जाती है। 10 वर्ष से 19 वर्ष के बालिकाओं में माहवारी प्रारंभ होने के कारण भी खून की कमी होने लगती है। इन कारणों से बालिकाओं में खून की कमी होती है।

खून की कमी का शरीर में प्रभाव

बच्चों या बालिकाओं में खून की कमी होने से शरीर पर प्रभाव पड़ता है जैसे आइक्यू में 5 से 10 प्रतिशत की कमी हो जाती है। बच्चों में सीखने समझने की क्षमता प्रभावित होती है। बच्चों की शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होती है तथा एकाग्रता में कमी हो जाती है।

बचने का उपाय

संतुलित आहार ले, जिसमे पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, खनिज लवण, विटामिन और पानी की पर्याप्त मात्रा प्रति दिन मिलना चाहिए। खनिज लवण में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक सोडियम एपोटेशियम, आयोडीन आदि मिलना चाहिए। कृमि नाशक गोली को प्रति वर्ष साल में 2 बार 6ए 6 माह के अंतराल में लेना होता है। प्रत्येक बालिकाओं को डब्ल्यूआईएफएस की गोली 10 से 19 वर्ष जो नीले रंग की होती है प्रति मंगलवार को खाना खाने के बाद लेना होता है। वर्ष भर में 52 गोली अनिवार्य से लेने से जो खून की कमी शरीर में होता है उसकी पूर्ति हो जाती है। इसमें सिकल सेल होने पर डब्ल्यूआईएफएस की गोली की जगह सिर्फ फोलिक एसिड की गोली ली जानी चाहिए। बालिकाओं की दृष्टि या आंख की रोशनी ठीक रहे इसके लिए भी चर्चा की गई और नेत्र परीक्षण भी कराए गई। आंख की रोशनी अच्छी रहे इसके लिए मौसमी फल, हरे सब्जी के सेवन से मदद मिलती है। स्कूल में पढ़ाई करते समय सिर में दर्द एआंख में दर्द, आंख से आंसू आना, चक्कर आना, आंख से दिखाई कम पड़ना दृष्टि दोष के सूचक है। मिडिल स्कूल के बच्चों की नेत्र परीक्षण कर दृष्टि दोष वाले सभी बच्चों को शासन से चश्मा निःशुल्क प्रदान की जाती है तथा पढ़ते समय रोशनी हमेशा पीछे से आना चाहिए। ऐसी व्यवस्था घर में पालको के द्वारा बच्चों के लिए किया जाना चाहिए और पालको को नजर भी रखनी चाहिए कि पढ़ते समय आंखों में कोई परेशानी हो तो पालक भी इसे जल्द पहचान सके और आंख की जांच कराए।

क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स के चैप्टर कन्वेंशन में जिंदल स्टील की टीम ने जीता गोल्ड

रायगढ़। जिंदल स्टील रायगढ़ ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए गौरवशाली उपलब्धि हासिल की है। कंपनी की महिला कर्मचारियों की टीम ने 16वें चैप्टर कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स में प्रथम पुरस्कार गोल्ड अवॉर्ड जीतकर न केवल जिंदल स्टील, रायगढ़, बल्कि छत्तीसगढ़ के उद्योग जगत का नाम रोशन किया।

यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह जिंदल स्टील, रायगढ़ की पहली पूर्ण महिला टीम है जिसने इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में भाग लिया और अपने शानदार प्रदर्शन, टीम भावना एवं नवाचार पूर्ण विचारों से सभी को प्रभावित किया। अनेक प्रतिभागी टीमों के बीच इस टीम ने अपने कार्य की गुणवत्ता और प्रस्तुति के दम पर यह सम्मान अर्जित किया। यह सफलता जिंदल स्टील की गुणवत्ता, नवाचार और महिला सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कंपनी सदैव यह सुनिश्चित करती है कि कार्यस्थल पर सभी को समान अवसर मिलें और हर कर्मचारी अपनी क्षमताओं को निखार सके।

इस अवसर पर जिंदल स्टील रायगढ़ के कार्यकारी निदेशक सब्यसाची बंद्योपाध्याय ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा, हमारी महिला टीम की यह सफलता जिंदल स्टील परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह उनकी मेहनत, समर्पण और उत्कृष्टता का परिणाम है। उनकी यह उपलब्धि न केवल प्रेरणादायक है बल्कि दूसरों के लिए उदाहरण भी प्रस्तुत करती है। गौरतलब है कि जिंदल स्टील के रायगढ़ संयंत्र की टीम ने पहले भी क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स की अलगकृअलग स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। यहां की टीमों ने राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार हासिल कर जिंदल स्टील के साथ ही छत्तीसगढ़ का भी नाम रोशन किया है।

चिरायु से अमीषा के हृदय रोग का हुआ सफल इलाज

जशपुरनगर। चिरायु योजना आज जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना ने न केवल बच्चों को नई जिंदगी दी है, बल्कि गरीब परिवारों के चेहरों पर फिर से मुस्कान भी लौटा दी है। इसी कड़ी में चिरायु योजना से ही दिल की बीमारी से जूझ रही किसान परिवार में जन्मी अमीषा केरकेट्टा को नवजीवन देने का काम किया है।

मनोरा विकासखंड के छोटे से ग्राम ओरडीह की एक जनजातीय परिवार में जन्मी अमीषा केरकेट्टा अक्सर बीमार रहने लगी थी। परिजन बार-बार उसकी तबीयत बिगड़ने से चिंतित थे। जब अमीषा की जांच जिला चिकित्सालय जशपुर में चिरायु टीम द्वारा की गई, तो पता चला कि वह जन्म से ही हृदय रोग से पीड़ित है। खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले उसके पिता अशोक केरकेट्टा यह सुनकर परेशान हो उठे। उनके सामने सबसे बड़ी चिंता थी कि वे इतने महंगे इलाज का खर्च कैसे उठा पाएंगे। तभी चिकित्सकों ने उन्हें चिरायु योजना के बारे में जानकारी दी। यह सुनकर परिवार को मानो एक नई उम्मीद की किरण दिखाई दी। योजना के तहत अमीषा को शासकीय व्यय पर बेहतर उपचार के लिए श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल, नया रायपुर भेजा गया। वहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने उसका सफल ऑपरेशन किया। कुछ ही समय में अमीषा पूरी तरह स्वस्थ हो गई। आज 11 वर्ष की अमीषा न केवल स्वस्थ है, बल्कि पहले से अधिक उत्साह और ऊर्जा से भरी हुई है। उसका मुस्कुराता चेहरा अब उसके माता-पिता के जीवन को सुकून से भर देता है।

- रायपुर के सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में निःशुल्क ऑपरेशन सहित मिली अन्य मेडिकल सुविधा

परिजनों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

परिजनों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। सरकार ने गरीबों की पीड़ा को समझा और इलाज के लिए बेहतर संस्थानों में भेजकर निःशुल्क इलाज करा रही है। उल्लेखनीय है कि चिरायु योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों में जाकर बच्चों की संपूर्ण स्वास्थ्य की जांच की जाती है। जांच के उपरांत 44 प्रकार की बीमारी तथा विकृति की जानकारी होने के बाद चिरायु योजना से बच्चों का इलाज कराया जाता है। आवश्यकता होने पर बच्चों को देश भर के अच्छे हॉस्पिटल में ले जाकर उपचार भी कराया जाता है।

ओपी जिंदल विश्वविद्यालय लीडिंग यूनिवर्सिटी फॉर क्वालिटी एजुकेशन एंड ग्लोबल रेडिनेस ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित

तमनार। ओपी जिंदल विश्वविद्यालय रायगढ़ को शिक्षा और उद्योग के बीच सशक्त साझेदारी स्थापित करने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वैश्विक तत्परता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रतिष्ठित लीडिंग यूनिवर्सिटी फॉर क्वालिटी एजुकेशन एंड ग्लोबल रेडिनेस ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह गौरवपूर्ण सम्मान नई दिल्ली में आयोजित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंस्पिरेशन अवॉर्ड्स 2025 के भव्य समारोह में प्रदान किया गया।

इस समारोह का आयोजन टॉपनॉच फाउंडेशन द्वारा किया गया, जो विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता को मान्यता देने हेतु अपने शोध आधारित पुरस्कारों और प्रभावशाली ब्रांडिंग पहलों के लिए विख्यात है। यह सम्मान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आरडी पाटीदार ने एक भव्य समारोह में ग्रहण किया, जिसमें देशभर के शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों ने भाग लिया। इस समारोह में प्रमुख अतिथियों डॉ. अभिषेक शर्मा भारतीय उद्योगपति, फिल्म अभिनेता रणदीप हुड्डा, एवं पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्तित्व शामिल थे। यह सम्मान ओपीजेयू द्वारा उद्योगों के साथ नवाचारपूर्ण सहयोग, स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स, इंटर्नशिप के अवसरों और व्यवहारिक शिक्षा पर केंद्रित पहलों को मान्यता देने हेतु प्रदान किया गया।

सम्मान ग्रहण करने के उपरांत कुलपति डॉ. आरडी पाटीदार ने कहा कि यह सम्मान हमारे विश्वविद्यालय की संपूर्ण टीम की प्रतिबद्धता, समर्पण और सतत नवाचारशीलता का सजीव प्रमाण है। यह दर्शाता है कि शिक्षण और उद्योग के बीच सशक्त साझेदारी विद्यार्थियों के करियर निर्माण में कितनी निर्णायक भूमिका निभाती है। हम आगे भी इस मार्ग पर अग्रसर रहते हुए गुणवत्तापूर्ण और उद्योगोन्मुख शिक्षा को प्राथमिकता देते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि ओपी जिंदल विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें व्यवहारिक दक्षताओं से सुसज्जित करना है, जिससे वे भविष्य की कार्यस्थली चुनौतियों के लिए पूर्णतः तैयार हो सकें। विश्वविद्यालय को मिला यह प्रतिष्ठित सम्मान डॉ. आरडी पाटीदार के लिए अत्यंत गर्व और उत्साह का क्षण रहा। उन्होंने इस विशेष उपलब्धि के लिए जिंदल स्टील के चेयरमैन नवीन जिंदल तथा विश्वविद्यालय की चांसलर श्रीमती शालू जिंदल के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की डॉ. आरडी पाटीदार ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि हमारे नेतृत्व की दूर दृष्टि, सहयोग की संस्कृति और प्रेरणा की निरंतरता का प्रतीक है। उन्होंने विशेष रूप से नवीन जिंदल और श्रीमती शालू जिंदल के दूरदर्शी मार्गदर्शन को इस सफलता की नींव बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में ओपीजेयू ने शिक्षा और उद्योग के बीच एक मजबूत सेतु बनाया है, जिसने न केवल अकादमिक गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है बल्कि छात्रों को भविष्य के लिए आवश्यक व्यावसायिक दक्षताओं और वैश्विक क्षमताओं से भी सशक्त किया है। इस सम्मान समारोह का आयोजन करने वाला टॉपनॉच फाउंडेशन अपने शोध आधारित मूल्यांकन, प्रभावशाली ब्रांडिंग दृष्टिकोण और उच्च स्तरीय आयोजनों के लिए जाना जाता है जो उन संस्थानों और नेताओं को पहचान दिलाता है ।

स्कूल शिक्षा और ग्रामोद्योग मंत्री गजेन्द्र यादव ने शिल्पकारों से की सौजन्य भेंट

सारंगढ़। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि और विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम बैंगीनडीह के शिल्पकारों से मुलाकात कर उनके शिल्पकला का अवलोकन किया। स्थानीय शिल्पकारों की मांग पर ग्रामोद्योग मंत्री ने शिल्प कला के अधिकारियों को शिल्प विकास का जिला कार्यालय खोलने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार विजेता शिल्पकार हीराबाई झरेका और मिनकेतन बघेल ने मंत्री को नाव का शिल्प भेंट किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय नायक, पूर्व विधायक केराबाई मनहर, सत्ताधारी राजनीतिक दल के प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही, जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित थे।

ब्लॉक ऑफिस में समर्थकों के साथ पहुंचे विधायक रोहित

पूर्व विधायक बनाम वर्तमान विधायक आमने-सामने

राउरकेला। बीरमित्रपुर के विधायक रोहित जोसेफ तिर्की ने पूर्व विधायक शंकर ओराम और कुछ पूर्व पंचायत प्रतिनिधियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। तिर्की का कहना है कि 7 अक्टूबर को कुआरमुंडा ब्लॉक कार्यालय में सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी में अवैध समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जो किसी भी पूर्व जनप्रतिनिधि द्वारा की गई बैठक के रूप में असंवैधानिक है।

विधायक तिर्की ने इस मामले को लेकर संदरगढ़ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और मामले की निष्पक्ष जांच व आवश्यक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने ब्लॉक कार्यालय में शक्ति प्रदर्शन भी किया और नारे लगाकर अपनी स्थिति स्पष्ट की। वहीं, पूर्व विधायक शंकर ओराम ने कहा कि किसी भी नागरिक या पूर्व जनप्रतिनिधि को विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त करने के लिए सरकारी कार्यालय जाने का अधिकार है, इसमें कोई अनुचित या गैरकानूनी बात नहीं है। यह घटना राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गई है और अब यह देखने वाली बात है कि जिलाधिकारी और प्रशासन इस विवाद पर क्या कदम उठाते हैं।

8 सब इंस्पेक्टरों को इंस्पेक्टर के पद पर मिली पदोन्नति

राउरकेला। राउरकेला पुलिस जिले के 8 सब इंस्पेक्टरों को इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति दी गई है। इस संबंध में ओडिशा पुलिस मुख्यालय ने आधिकारिक विज्ञप्ति जारी की है।

पदोन्नति पाने वालों में प्लांट साइट थाना के एसआई सुव्रत पंडा, कलुंगा पुलिस चौकी के एसआई विक्रम भुइयां, पुलिस मुख्यालय के एसआई अशोक बेहरा, साइबर थाना के एसआई संपद महंती, जलदा पुलिस चौकी के एसआई विकास कालेट, ब्राह्मणीतरंग थाना के एसआई उदय साहू, सेक्टर 19 थाना के एसआई तेजलिन जेना और राउरकेला जीआरपी की एसआई ज्योत्सना सेठ शामिल हैं। विशेष रूप से सुव्रत पंडा को हाल ही में राउरकेला पुलिस जिले के श्रेष्ठ एसआई का पुरस्कार डीजीपी द्वारा दिया गया था। उनकी उत्कृष्ट सेवा और प्रशासनिक क्षमता को देखते हुए उन्हें अब पदोन्नति भी दी गई है। पदोन्नति प्राप्त अधिकारी अब जिले में अपने अनुभव और नेतृत्व क्षमता के साथ पुलिसिंग में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस कदम से राउरकेला पुलिस विभाग में प्रशासनिक मजबूती और कार्यकुशलता बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस प्रशासन में हुए फेर बदल में राउरकेला पुलिस जिले में 11 सब इंस्पेक्टर एवं 22 होमगार्ड चालकों का विभिन्न थानों में फेरबदल किया गया है।

बंदियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

जिला जेल में हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

रायगढ़। छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत जिला जेल रायगढ़ में 3 से 10 अक्टूबर तक विभिन्न सांस्कृतिक, स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह आयोजन सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग एवं मुख्यालय जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत 3 अक्टूबर को समस्त जेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जेल परिसर की साफ सफाई के साथ की गई, जिससे स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इसी तरह 4 अक्टूबर को बंदियों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 50 पुरुष एवं 10 महिला बंदियों ने भाग लिया। 5 अक्टूबर को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें 35 पुरुष और 5 महिला बंदियों ने अपनी रचनात्मकता दिखाई। 6 अक्टूबर को रामायण पाठ का आयोजन किया गया तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा रक्तदान किया गया, जो एक अनुकरणीय पहल रही। 7 अक्टूबर को मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ, जिसमें 325 पुरुष बंदी लाभान्वित हुए। इसी दिन महिला बंदियों के लिए मेहंदी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। 8 अक्टूबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायगढ़ द्वारा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 820 पुरुष एवं 52 महिला बंदियों ने सहभागिता की। 9 अक्टूबर को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें 765 पुरुष बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम के समापन दिवस 10 अक्टूबर को योग शिविर एवं मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 150 पुरुष बंदी लाभान्वित हुए। इस अवसर पर डॉ. प्रकाश चेतवानी नोडल ऑफिसर, मानसिक स्वास्थ्य, संतोष कुमार पाण्डेय एवं उनकी टीम ने बंदियों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के उपायों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अंकिता मुदलियार विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इन सभी आयोजनों में बंदियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लियाए जिससे उनके मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास को सकारात्मक दिशा मिली। कार्यक्रमों की सफलता में जेल अधीक्षक, समस्त अधिकारीगण एवं जेल स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।